[जा]वरा विधायक ने सीएम को दी जानकारी

मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश- बेड नहीं हो पर मरीज का उपचार तो करो

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. उपचार के अभाव में मंगलवार को अभिभावक की बाइक पर मौत के मामले में जावरा विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय ने मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान को अवगत कराया। सीएम ने स्पष्ट किया कि किसी भी चिकित्सालय द्वारा मरीजों को भर्ती करने से मना नहीं किया जा सकता चाहे बेड उपलब्ध नहीं हो तो भी उपचार तो दिया जा सकता है। इस संबंध में वह निर्देश भी जारी कर रहे हैं।

डॉ पांडेय ने कोरोना नियंत्रण को लेकर किए जा रहे कार्यों के संबंध में सीएम से दूरभाष पर बात की। जावरा विधानसभा क्षेत्र व रतलाम ज़िले में कोरोना नियंत्रण को लेकर

जावरा विधायक ने बताया कि नियमित रूप से रेमेडीसीवर इंजेक्शन नहीं मिल रहे हैं। जावरा विधानसभा क्षेत्र के मरीजों को रेफर किए जाने के बाद भर्ती कर उपचार प्रारंभ करने में निरंतर हो रही लेटलतीफी के बारे में भी जानकारी दी। साथ ही सिविल अस्पताल जावरा में कोविड केयर सेंटर के रूप में मरीजों के उपचार की जानकारी से सीएम को अवगत कराते हुए कहा कि उनके द्वारा कोविड-19 व चिकित्सालय कायाकल्प में अभी तक 77 लाख रुपए की विधायक निधि दी जा चुकी है। इसके अलावा चिकित्सालय में ऑक्सीजन प्लांट व अन्य उपकरण के लिए जन सहयोग के रूप में 60 लाख रुपए से अधिक

अच्छी खबर... 337 लोगों ने कोरोना को दी मात, 5 दिन में 1499 ठीक

भास्कर संवाददाता | रतलाम

हमारे जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीजों के मिलने के साथ ही मरीजों के ठीक होने का सिलसिला भी लगातार जारी है। पॉजिटिव आने वालों में से 60% घर पर ही ठीक हो रहे हैं। बुधवार को 337 लोगों ने कोरोना को मात दी है।

जिले में संक्रमित तेजी से मिल रहे है, अप्रैल तक 200 से ज्यादा पॉजिटिव मिल रहे थे, लेकिन, अब प्रतिदिन 300 से ज्यादा पॉजिटिव सामने आ रहे है, हालांकि, राहत ये है कि इसी रफ्तार से मरीज ठीक भी हो रहे हैं। जिले में सिर्फ 5 दिन में 1499 लोग ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। कोरोना मरीजों के ठीक होने की संख्या भी 300 से ज्यादा ही बनी हुई है।

5 दिन में ठीक हुए मरीज

1 मई	306
2 मई	293
3 मई	335
4 मई	228
5 मई	337

270 लोग ठीक - इधर, मेडिकल कॉलेज से बुधवार को 35 लोगों को को डिस्चार्ज किया गया। इसी तरह होम आइसोलेशन से 270 लोगों ने कोरोना को मात दी।

मेडिकल कॉलेज... ऑक्सीजन के बेड फुल, नॉन ऑक्सीजन 97 बेड खाली

भास्कर संवाददाता | रतलाम

जिले में बेड को लेकर स्थिति अभी भी नहीं सुधरी है। बुधवार को मेडिकल कॉलेज में एक भी ऑक्सीजन बेड नहीं था। ऐसे में लोगों को परेशान होना पड़ा। इधर, अभी 315 रेमडेसिविर इंजेक्शन का स्टॉक बाकी है।

मेडिकल कॉलेज में रोज डिस्चार्ज होने वाले मरीजों के साथ ही नए मरीज भी भर्ती हो रहे हैं। कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया बुधवार को कॉलेज में 50 नए मरीजों को भर्ती किया गया, जबकि 35 लोग ठीक होकर अपने घर भी पहुंचे। मेडिकल कॉलेज में कुल 550 बेड है, इसमें से आईसीयू के सभी 56 बेड, एचडीयू के सभी 172 बेड, ऑक्सीजन के सभी 120 बेड फुल हैं। नॉन ऑक्सीजन बेड 202 हैं, इसमें से 105 बेड पर मरीज भर्ती हैं। कॉलेज में कुल 453 मरीजों का इलाज हो रहा है। इनमें से 302 पॉजिटिव हैं। वहीं, आज तक कुल 4744 रेमडेसिविर इंजेक्शन मिले हैं, इनमें से 1101 इंजेक्शन डिस्ट्रिब्यूट किए हैं।

18+ का उत्साह... 100 को लगना थे टीके, 400 से ज्यादा पहुंचे, उन्हें पता नहीं था, अपॉइंटमेंट जरूरी

स्लॉट खुले लेकिन... सिर्फ 5 से 10 मिनट में 10 मई तक बुकिंग हो गई फुल, कई केंद्रों पर 45+ के लिए डोज खत्म

रतलाम | 18+ की उम्र के लोगों का वैक्सीनेशन बुधवार से शुरू हो गया। पहले दिन 100 लोगों को वैक्सीन लगना थी लेकिन केंद्र पर 400 से ज्यादा पहुंच गए। दरअसल जो लोग पहुंचे थे, उन्हें ये नहीं पता था, कि सिर्फ रजिस्ट्रेशन करवाने से वैक्सीन नहीं लगेगी, इसके लिए अपॉइंटमेंट भी लेना होगा। केंद्र पर मौजूद अधिकारियों ने यह बात बताते हुए... सिर्फ उन 100 लोगों को ही अंदर जाने दिया, जिनके पास अपॉइंटमेंट लेटर था। आईएमए हॉल में सबसे पहला टीका विनीता सिलावट को लगाया गया। इधर, शहर के कई केंद्रों पर जल्द वैक्सीन खत्म हो जाने से 45+ के लोगों को परेशान होना पड़ा।

वापस लौटाया तो केंद्र पर बहस करने लगे लोग

जिले का सबसे बड़ा आयु वर्ग युवाओं का है, इस वर्ग में वैक्सीन को लेकर उत्साह भी दिख रहा है। मंगलवार को 100 लोगों ने रजिस्ट्रेशन के बाद अपॉइंटमेंट लिया था। इन लोगों को बुधवार को टीका लगा। केंद्र पर सुबह से ही भीड़ हो गई थी। केंद्र प्रभारी लोकेश वैष्णव ने लोगों को समझाकर घर भेजा, कुछ लोग केंद्र पर बहस भी करने लगे। उन्हें समझाया कि भीड़ लगाने से संक्रमण का खतरा है। अधिकारियों के पास उन लोगों की लिस्ट थी, जिन्होंने अपॉइंटमेंट ले रखा था, ऐसे में नाम पुकारकर एक-एक को अंदर लिया गया।

शाम को स्लॉट खुले... लेकिन 10 मई तक बुकिंग फुल

इधर, अगली तारीख के अपॉइंटमेंट के लिए बुधवार को शाम करीब 5 बजे स्लॉट खुले, कुछ मिनटों में ही सभी स्लॉट पर बुकिंग हो गई। पोर्टल पर 10 मई तक के लिए बुकिंग फुल बता रहा था। इधर, आईएमए हॉल के अलावा 10 मई के लिए मोहन टॉकीज घास बाजार का भी केंद्र बता रहा था, लेकिन बुक थे।

सबसे पहले वैक्सीन लगवाने वाली विनीता बोलीं... पहले 1 घंटे तक रजिस्ट्रेशन नहीं हो रहा था, रजिस्ट्रेशन हुआ तो स्लॉट में आई दिक्कत

वैक्सीन लगवाती हुई विनीता।

शहर में 18+ की उम्र में सबसे पहली वैक्सीन सिलावटों का वास निवासी विनीता पति पुष्पेंद्र सिलावट को लगी। विनीता के बाद उनके पति ने वैक्सीन लगवाई। दोनों ने बताया उन्होंने आरोग्य सेतु एप डाउनलोड कर रखा था। पता था कि रजिस्ट्रेशन होने वाला है, इसके लिए मंगलवार को दोपहर में पहले रजिस्ट्रेशन के लिए परेशान होना पड़ा। 1 घंटे तक मशक्कत चलती रही, इसके बाद पोर्टल खोला तो... स्लॉट खाली दिखे, हमने तत्काल बुकिंग ले ली। वैक्सीन लगने के बाद शाम तक ना तो बुखार आया नहीं, किसी तरह की कोई हलचल महसूस हुई है। पहले से अपॉइंटमेंट होने से कोई भी परेशानी नहीं हुई। भीड़ थी, लेकिन हमें प्राथमिकता से अंदर लिया गया।

4 पॉजिटिव, दो ने वैक्सीन लगवाने से मना किया

केंद्र पर 100 लोगों को वैक्सीन लगना थी, लेकिन 94 लोग ही पहुंचे। अधिकारियों ने नहीं आने वाले लोगों को फोन भी लगाया, इसमें 4 का कहना था कि वे पॉजिटिव आ गए हैं इसलिए वैक्सीन नहीं लगवाएंगे, वहीं 2 लोगों ने वैक्सीन लगवाने से इनकार कर दिया।

वैक्सीन खत्म होने का डर... 28 दिन में ही दूसरा डोज लगवाने पहुंचे 45 प्लस आयु वर्ग के लोग

इधर, 18+ उम्र के लोगों के वैक्सीनेशन से 45+ की उम्र के लोगों को वैक्सीन खत्म होने का डर सताने लगा है। बुधवार को यह डर केंद्रों पर दिखा, कई लोग 28 दिन में ही दूसरा डोज लगवाने पहुंच गए, उनका कहना था कि वैक्सीन खत्म हो जाएगी, ऐसा सुना है। केंद्र पर मौजूद लोगों ने इसे अफवाह बताया... और कोविशिल्ड वैक्सीन का दूसरा डोज 42 दिन बाद, को-वैक्सीन का दूसरा डोज 30 दिन बाद ही लगवाने की समझाइश दी।

45+ के लोगों की भीड़, दोपहर में वैक्सीन खत्म

बुधवार को 45+ के लोगों में भी वैक्सीन को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखा। अलकापुरी कम्युनिटी हॉल और काश्यप सभागृह केंद्र पर लंबी कतारें लग गई थीं। दोपहर 1 से 2 बजे के बीच ही केंद्रों पर वैक्सीन खत्म हो गई। 500 लोगों को ही टीका लग सका। इसके बाद आने वाले लोगों को परेशान होना पड़ा।

ऐसे करें रजिस्ट्रेशन

1. सबसे पहले आपको को-विन वेबसाइट पर जाना होगा। इसके बाद रजिस्टर/साइन इन पर क्लिक करना होगा।
2. फिर अपना मोबाइल नंबर डालें और गेट ओटीपी पर क्लिक करें। जब ओटीपी आ जाए तो उसे साइट पर एंटर कर वेरिफाई पर क्लिक कर दें।
3. रजिस्टर फॉर वैक्सीनेशन पेज ओपन होगा जिसमें आपको अपनी सभी डिटेल्स डालनी होंगी, जैसे फोटो आईडी प्रूफ, नाम, लिंग और जन्मतिथि। इसके बाद रजिस्टर पर टैप कर दें।

आप ऐसे ले सकते हैं अपॉइंटमेंट

1. रजिस्टर करने के बाद आपको अपॉइंटमेंट शेड्यूल करने का विकल्प मिलेगा। नाम के बराबर में शेड्यूल का विकल्प होगा, उस पर क्लिक करें।
2. सर्च बार में अपना पिनकोड डालें। रतलाम का पिन कोड 457001 है। आपको सेंटर दिखेंगे।
3. समय और तिथि सिलेक्ट करें और कंफर्म पर क्लिक कर दें।

आज शहर में यहां लगेगी वैक्सीन

सेंटर	वैक्सीन
आईएमए हॉल (18+)	को-वैक्सीन
माहेश्वरी धर्मशाला (45+)	कोवीशिल्ड
कम्युनिटी हॉल अलकापुरी (45+)	कोवीशिल्ड
जैन काश्यप सभागृह (45+)	कोवीशिल्ड
ओल्ड कलेक्टोरेट (45+)	को-वैक्सीन

कोरोना का कहर लगातार बढ़ने से विवाह समारोह एवं चलित उठावना प्रतिबंधित

प्रतिबंध कर्फ्यू अवधि तक जारी रहेगा, फल-सब्जी भी नहीं बिकेगी

रतलाम ● स्वदेश समाचार

कर्फ्यू के कहर के बीच जिला प्रशासन ने वैवाहिक समारोह, चलित उठावना पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध कर्फ्यू अवधि तक जारी रहेगा।

जिला दंडाधिकारी गोपालचंद डाड ने गत रात को जारी आदेश में बताया कि जिले में विवाह हेतु वर-वधु के लिए 10-10 व्यक्तियों की अनुमति दी गई थी, जिसे कोरोना कर्फ्यू अवधि तक पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है। उठावना कार्यक्रम के दौरान चलित उठावना हेतु 10 व्यक्ति की अनुमति दी गई थी उसे भी कर्फ्यू अवधि तक प्रतिबंधित किया गया है।

इसी प्रकार सब्जी एवं फल विक्रेताओं, फेरी वालों को भी कर्फ्यू अवधि तक प्रतिबंधित किया गया है। जिले में औद्योगिक इकाई पूर्वानुसार खुली रहेगी, किन्तु कार्यरत कर्मचारियों, श्रमिकों आदि को संबंधित एसडीएम से पास प्राप्त करना होंगे तथा उद्योग संचालकों को श्रमिकों से कोरोना गाइडलाइन का पालन करवाना होगा। यदि किसी उद्योग में कार्यरत श्रमिक संक्रमित पाए जाते हैं तो उद्योग का संचालन बंद कर दिया जाएगा।

मिल क्षेत्र में मामले ज्यादा

रतलाम शहर के कस्तुरबा नगर इलाके में संक्रमित मरीजों की संख्या काफी बताई गई है, जबकि अन्य इलाके भी अछूते नहीं है। सेनिटाइजर छिड़काव की लगातार आवश्यकता है, लेकिन छिड़काव अधिक मात्रा में एक साथ करना होगा। साथ ही नालियों में दवाई छिड़काव भी जरूरी है ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके। इसके साथ ही कंटेनमेंट एरिया भी बनाया जाना चाहिए ताकि लोगों को ज्ञात हो सके कि संक्रमित मरीज कहां-कहां है।

जिले के 54 हितग्राहियों को 2-2 लाख व 4 हितग्राहियों को 4-4 लाख की राशि प्राप्त

रतलाम ● मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश के 16,844 मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना के हितग्राहियों को अनुग्रह राशि रुपए 379 करोड़ रुपए हितलाभ सिंगल क्लिक के माध्यम से उनके खातों में अंतरित की। रतलाम नगरीय क्षेत्र के 58 हितग्राही लाभान्वित हुए जिसमें से 54 हितग्राहियों को 2-2 लाख व 4 हितग्राहियों को 4-4 लाख की राशि का हितलाभ प्राप्त हुआ। वर्चुअली आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने लाभ प्रदान कर ''आपका संबल-आपकी सरकार'' के तहत हितग्राहियों से संवाद किया। रतलाम एन आई सी कक्ष में अधिकारी व हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री के संवाद को देखा व सुना। इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया, उपायुक्त नगर निगम विकास सोलंकी, सहायक आयुक्त श्रीमती ज्योति सुनारिया, श्रम विभाग के अधिकारी आदि उपस्थित थे।

ग्रामीण इलाकों में फैल रहा है संक्रमण-ग्रामीण इलाकों में तेजी से संक्रमण फैल रहा है। सबसे अधिक बिलपांक थाना क्षेत्र के गांवों में संक्रमित मरीज पाए गए है, उसके बाद सैलाना, पिपलौदा, रावटी, बाजना, ताल क्षेत्र में भी संक्रमित मरीजों का आंकड़ा बढ़ रहा है। ग्रामीणों में घबराहट है कि उपचार की व्यवस्था नहीं है ऐसे में संक्रमण को कैसे रोका जाए। 4 मई को भी पाजिटिव मरीजों की संख्या 308 के आसपास पहुंच गई है तथा 4 पाजिटिव व्यक्तियों की मृत्यु हो गई है, जिन्हें मिलाकर जिले में अभी तक 210 मरीजों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि 12 हजार 140 पॉजिटिव सैम्पल पाए गए है। 685 मरीजों के सैम्पल की रिपोर्ट मेडिकल कॉलेज से तथा 1331 मरीजों के सैम्पल सुपराटेक से आना बाकी है। 228 पॉजिटिव मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। वर्तमान में 1958 पॉजिटिव एक्टिव मरीज उपचार हेतु भर्ती है। अभी तक 1 लाख 28 हजार 930 संदिग्ध केस की जांच की जा चुकी है।

स्वदेश

6-5-2021

(16)

टीकाकरण को लेकर युवा जागरूक: 100 लोगों को लगने थे टींके, करीब 800 लोग पहुंच गए

युवा शक्ति में टीकाकरण का उत्साह

चार पॉजिटिव मरीजों ने भी कराया था पंजीयन लेकिन नहीं आए

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में बुधवार को 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के टीकाकरण का श्रीगणेश हुआ। टीकाकरण को लेकर युवा शक्ति में खासा उत्साह देखने को मिला। हालत यह थी कि टीका 100 लोगों को लगना था लेकिन टीकाकरण केंद्र पर 800 लोग पहुंच गए, वह भी सिर्फ इसलिए कि यदि कोई नहीं आए और उनके स्थान पर उन्हें टीका लगवाने का मौका मिल जाए। टीकाकरण के इस दौर में दोपहर 12 बजे तक 70 फीसदी लोग टीका लगवा चुके थे।

रतलाम में 18 प्लस से अधिक उम्र के लोगों को पहले दिन शहर के राजेंद्र नगर स्थित आईएमए हॉल पर टीकाकरण किया गया। टीकाकरण के लिए 100 लोगों के पंजीयन हुए थे जिसमें से 94 लोग टीका लगवाने के लिए पहुंचे। टीका लगवाने के लिए चार लोग ऐसे भी थे जिन्होंने कोरोना पॉजिटिव होने के बाद भी पंजीयन करा लिया और फिर वह टीकाकरण के लिए नहीं आ सके। इसके अतिरिक्त 2 लोग ऐसे भी थे जो कि पंजीयन कराने के बाद जानबूझकर टीका लगवाने नहीं आए। ऐसे 6

लोगों के कारण जरूरतमंद लोगों को टीका नहीं लग सका।

युवाओं को लगा कोवैक्सीन का टीका

रतलाम के युवाओं को कोवैक्सीन टीका लगाया गया। टीकाकरण की शुरुआत के पूर्व रतलाम में इसके दो हजार डोज आ चुके हैं। पहले दिन सिर्फ एक केंद्र पर 100 लोगों का टीकाकरण किया गया और अब दूसरे दिन गुरुवार को भी सिर्फ 100 लोगों का टीकाकरण किया जाएगा। टीकाकरण के लिए शुरुआती दौर में ही करीब 10 हजार लोगों ने पंजीयन करा लिए हैं।

विनीता को लगा पहला टीका

18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के टीकाकरण की शुरुआत के दौरान पहला टीका आईएमए हॉल पर रतलाम शहर में रहने वाली विनीता सिलावट को लगा। विनीता को कोवैक्सीन का टीका लगाया गया। युवाओं के चरण में पहला टीका उसे लगने से वह काफी खुश नजर आई और अन्य लोगों को भी कोविड-19 से बचाव के लिए टीका आवश्यक रूप से लगवाने की अपील की।

कम डोज के कारण केंद्र की कमी

वैक्सिंग की कमी के चलते शुरुआती दौर में रतलाम में महज दो हजार दो डोज भेजे गए हैं। टीकाकरण की समय पर शुरुआत कराए जाने को लेकर 5 मई बुधवार से एक केंद्र पर कोवैक्सीन का टीका लगाए जाने की शुरुआत की गई है। दूसरे दिन भी महज 100 लोगों को ही टीका लगाया जाएगा। जब तक डोज की संख्या नहीं बढ़ जाती तब तक चुनिंदा केंद्रों पर सीमित संख्या में ही टीकाकरण किया जाएगा।

आज इन केंद्रों पर लगेगा टीका

स्वास्थ्य विभाग द्वारा 6 मई के लिए निर्धारित कोविड-19 वैक्सीनेशन प्लान के अनुसार 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को निर्धारित स्थानों पर टीके लगाए जाएंगे। इनमें मुख्य रूप से आलोट में अंबेडकर भवन, ताल में पोरवाल धर्मशाला, जावरा में रेडक्रॉस मीटिंग हॉल, रतलाम शहर में पुराना कलेक्ट्रेट (केवल दूसरा डोज), जैन काश्यप सभागृह अलकापुरी कम्युनिटी हॉल, माहेश्वरी धर्मशाला। आईएमए हॉल, रतलाम में 18 प्लस के रजिस्टर्ड 100 लोगों का

कोरोना संक्रमण के दौर में युवाओं को टीका लगाए जाने की शुरुआत होने से युवा वर्ग में काफी खुशी है। कोविड-19 को हराने में टीका अहम भूमिका निभाएगा। यह बीमारी टीके से ही हारेगी इसलिए सभी लोग टीका लगवाएं। इससे किसी को कोई खतरा नहीं है।

सम्यक लालवानी, रतलाम

टीकाकरण हमारे और परिवार के साथ ही देश के लिए बहुत आवश्यक है। मुझे पहले दिन टीका लगा इस बात की काफी खुशी है। मैं लोगों से भी अपील करना चाहूंगी कि वह भी टीकाकरण के लिए आगे आए और इस बीमारी को हराने में अपना सहयोग दें।

सलोनी लालवानी, रतलाम

पत्रिका 6-5-2021

805 मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा

स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को रात्रि में भी पकड़ा जायेगा

रतलाम। नगर को साफ-स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानो, सड़को, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को दिन में पकड़े जाने के साथ ही निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा अब रात्री में भी मवेशियों को पकड़ा जायेगा क्योंकि मवेशी पालको द्वारा दिन में मवेशियों को बांधकर रखा जाता है तथा रात्रि में खुला छोड़ दिया जाता है जिससे शहर में गंदगी [illegible]नी है।

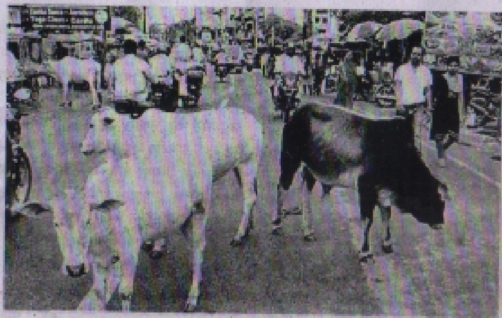

कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अमले द्वारा 13 अक्टूबर से अभियान चलाया गया तथा 4 मई तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 805 मवेशियों को पकड़ा जाकर जिले की विभिन्न गौशालाओं में भेजा गया। अभियान के तहत 4 मई को चांदनी चौक व चौड़ावास से 2 मवेशी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा पकड़ा गया। शहर के सार्वजनिक स्थानों, सड़को चौराहे को मवेशी मुक्त बनाये जाने हेतु नगर निगम द्वारा शहर के मवेशी पालकों के बाड़े एवं तबेलो को अभियान चलाकर तोड़ा जायेगा इस हेतु निगम द्वारा नगर के सभी मवेशी पालकों को नोटिस जारी किया गया है। शहरी क्षेत्र में मवेशियों का पालन करना नियम विपरित है, ऐसे मवेशी पालक जो कि शहरी क्षेत्र में अनुमति के विपरित तबेले एवं बाड़े का निर्माण कर मवेशियों का पालन किया जा रहा है वे स्वंय अपने तबेले एवं बाड़े नहीं तोड़ते है तो निगम द्वारा उन्हे तोड़ा जाकर राशि वसूल की जायेगी।

इन्दौर समाचार

5-5-2021

अप्रैल की तुलना में ज्यादा खतरनाक साबित हो रहा मई माह, गांव और कस्बों से नए-नए संक्रमित सामने आ रहे

385 नए मरीज और पांच की मौत, बढ़ रही कोरोना संक्रमण की रफ्तार

रतलाम। जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार तेजी से बढ़ती जा रही है। हर दिन शहर के साथ अब गांव-गांव और कस्बों से नए-नए संक्रमित सामने आ रहे हैं। अप्रैल के अंतिम पखवाड़े में जहां प्रतिदिन 200 से अधिक नए संक्रमित सामने आ रहे थे, वहीं मई की शुरुआत से आंकड़ा बढ़कर 300 के पार पहुंच रहा है। इससे शासन-प्रशासन के साथ आमजन की चिंता बढ़ रही है। लाकडाउन के बावजूद कई लोग लापरवाही बरत रहे हैं।

मई माह के पांचवें दिन बुधवार को 385 नए पाजिटिव केस सामने आए। पांच की मौत भी हुई। 316 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 2020 है। मई के पांच दिन में कुल 1718 नए संक्रमित सामने आए हैं और 1472 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया। 21 मौत हुई। पेंडिंग सैंपलों की संख्या भी 2074 है।

मेडिकल कालेज के सामने टेंट में बैठे मरीजों के स्वजन। • नईदुनिया

जिले में कोरोना की अब तक की स्थिति

पाजिटिव	12525
स्वस्थ हुए	10290
मौत	215
एक्टिव मरीज	2020

मेडिकल कालेज में 50 नए मरीज भर्ती

शासकीय मेडिकल कालेज में बुधवार को 50 नए मरीज भर्ती हुए। के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आइसीयू बेड 56, एचडीयू में 172 बेड, आक्सीजन बेड 120 सभी फुल हैं। नान आक्सीजन बेड 202 में से 105 पर पेशेंट भर्ती हैं। कुल 453 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती हैं। इनमें 302 पाजिटिव हैं तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 97 हैं। रेमडेसिविर की स्थिति अनुसार अब तक टोटल रिसीव्ड 4744, डिस्ट्रीब्यूटेड 1101, कन्ज्यूम्ड 3328, करंट स्टाक 315 है। उन्होंने बताया कि मरीजों व उनके स्वजनों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में निरंतर वृद्धि की जा रही है। उधर, मेडिकल कालेज के सामने खुले परिसर में टेंट लगाकर मरीजों के स्वजनों के लिए खाने-पीने के इंतजाम किए गए हैं। बाहर से आने वाले मरीजों के स्वजन टेंट के नीचे समय गुजार रहे हैं।

42 मरीजों को मेडिसिन किट वितरित

कोविड-19 संक्रमण में होम आइसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलीवरी किए जाने के लिए ई-दक्ष केंद्र से स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने सूची प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 57 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलों द्वारा होम आइसोलेशन के मरीजों के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया। इसके तहत सूची अनुसार 42 मरीजों को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। छह मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया। एक मरीज के कांटेक्ट नंबर व पते गलत पाए गए तथा तीन मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया। तीन मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया। इसी तरह तीन मई की दूसरी सूची अनुसार 316 मरीजों को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 16 मरीज उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती होना पाया गया। 30 मरीजों के कांटेक्ट नंबर व पते गलत पाए गए। 22 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया। 23 मरीजों को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया।

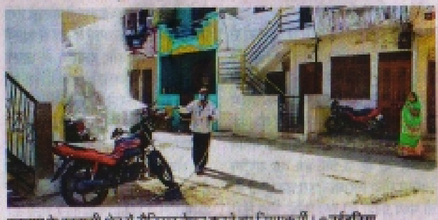

रतलाम के रहवासी क्षेत्र में सैनिटाइजेशन करते हुए निगमकर्मी। • नईदुनिया

फायर लारी से किया सैनिटाइज

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए कलेक्टर गोपालचंद्र डाड के निर्देशानुसार नगर निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराइड से सैनिटाइजेशन किया जा रहा है। साथ ही माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्रों में हैंड मशीन से सैनिटाइजेशन किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लारी व ट्रैक्टर से विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को एक प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराइड मिलाकर एक लाख लीटर पानी से सैनिटाइज किया जा रहा है। बुधवार को फायर लारी व ट्रैक्टर से मेडिकल कालेज, भक्तन की बावड़ी, त्रिवेणी मुक्तिधाम, जवाहर नगर मुक्तिधाम, समता परिसर, सुदामा परिसर, अरिहंत परिसर, टाटा नगर, तेजा नगर, बालाजी नगर, राम नगर, काजीपुरा सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सैनिटाइजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैंड मशीन के माध्यम से मेडिकल कालेज, माइक्रो कंटेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों को सैनिटाइज किया गया।

मेडिकल कालेज से 35 डिस्चार्ज

कोरोना से संक्रमित 337 लोगों को बुधवार को स्वस्थ होने की खुशी मिली। इन्हें स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। मेडिकल कालेज से 35 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया। इसी प्रकार होम आइसोलेशन से 270 व्यक्तियों को रिपोर्ट निगेटिव आने के उपरांत डिस्चार्ज किया गया। आयुष हास्पिटल, जीडी हास्पिटल, गायत्री हास्पिटल से एक-एक, जनक हास्पिटल, सिविल हास्पिटल, आरोग्यम हास्पिटल से दो-दो, सिविल हास्पिटल जावरा से चार तथा अन्य सेंटर से 19 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया।

डिस्चार्ज होने के बाद इन सभी ने कोविड निर्देशों का पालन करने तथा अपने परिचितों, स्वजनों को मास्क लगाने, पर्याप्त दूरी बनाए रखने के लिए प्रेरित करने का संकल्प भी लिया।

दवाई वितरण का राजनीतिकरण नहीं रोकने पर कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

पूरे देश में जहां कोरोना महामारी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। हर संगठन अपने हिसाब से सेवाएं दे रहा है, वहीं भाजपा सत्ता का दुरुपयोग कर शासकीय कार्य में जबरन हस्तक्षेप कर सहानुभूति लेने का कार्य कर रही है। शासन स्तर पर कोरोना के होम आइसोलेशन मरीजों को मेडिकल किट बांटी जा रही है। इसमें निगमकर्मियों के साथ भाजपा कार्यकर्ताओं को भी जबरन घर-घर ले जाया जा रहा है। आपदा में दी जाने वाली दवाओं को लेकर भाजपा इस तरह सस्ती लोकप्रियता लेने में लगी है। यह कहना है शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया का। जारी प्रेस विज्ञप्ति में उन्होंने बताया कि शासकीय कामकाज में राजनीतिक लोगों को लेकर जाना भी नियमों का उल्लंघन है। निगम प्रशासक व कलेक्टर और निगमायुक्त को इस संबंध में ध्यान देना चाहिए। रोज सैकड़ों मौत हो रही है तो घर पर मेडिसिन किट देने के लिए कार्यकर्ताओं को भेजकर झूठी वाहवाही लूटी जा रही है। कटारिया ने बताया इस संबंध में शिकायत संभागायुक्त को की जा रही है। यदि इसके उपरांत भी दवाई वितरण का राजनीतिकरण नहीं रोका गया तो कांग्रेस विरोध प्रदर्शन करेगी।

नई दुनिया
6-5-2021

तीन बजे तक पूरा हो गया।

केंद्र प्रभारी लोकेश वैष्णव ने बताया कि भीड़ ज्यादा हो गई थी। युवाओं को समझाया कि अपना स्लाट बुक करवाकर आएं। पहला वैक्सीन 36 वर्षीय सिलावटों का वास निवासी विनीता सिलावट और दूसरा इनके पति 42 वर्षीय पुष्पेंद्र सिलावट को लगा। इसके बाद फिर लगातार टीकाकरण किया गया। नीमचौक निवासी लालवानी परिवार के 14 सदस्य एक साथ टीका लगवाने पहुंचे।

अलकापुरी में दोपहर में खत्म हो गई वैक्सीन

अलकापुरी कम्युनिटी हाल में 45 वर्ष से अधिक के लोगों को टीके लगाए जा रहे हैं। दोपहर करीब 1:30 बजे वहां वैक्सीन खत्म हो गई तो कई लोगों को वापस जाना पड़ा। वहां पर बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए थे और भीड़ जमा होने से शारीरिक दूरी का पालन नहीं हो रहा था। बड़ी मशक्कत के बाद भीड़ नियंत्रित हो पाई, लेकिन बाद में लोगों में इस बात की नाराजगी रही कि बिना टीका लगवाए वापस जाना पड़ा। यहां 500 लोगों को टीका लगा, जबकि इससे अधिक लोग पहुंच गए थे। जिले में बुधवार को 45 से अधिक उम्र के 2269 लोगों को टीका लगाया गया।

आज इन केंद्रों पर होगा वैक्सीनेशन

गुरुवार को 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को आलोट में अंबेडकर भवन, ताल में पोरवाल धर्मशाला, जावरा में रेडक्रास मीटिंग हाल, रतलाम शहर में पुराना कलेक्ट्रेट (केवल दूसरा डोज), जैन कास्यप सभागृह अलकापुरी कम्युनिटी हाल, माहेश्वरी धर्मशाला पर टीके लगाए जाएंगे। आइएमए हाल पर 18 प्लस के रजिस्टर्ड सौ लोगों का वैक्सीनेशन होगा।

आठ व दस मई को दो केंद्र

सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे ने बताया कि 18 से 44 वर्ष आयु वर्ग में गुरुवार के टीकाकरण के लिए प्री-बुकिंग में अधिकतम सीमा 100 हितग्राहियों की रहेगी। आठ व दस मई के लिए जिले के आइएमए हाल गोशाला रोड एवं मोहन टाकीज मास बाजार टीकाकरण केंद्र रहेंगे। यहां आनलाइन प्री-बुकिंग पर प्रति सत्र अधिकतम 140 हितग्राहियों को कोविड का टीकाकरण किया जा सकेगा।

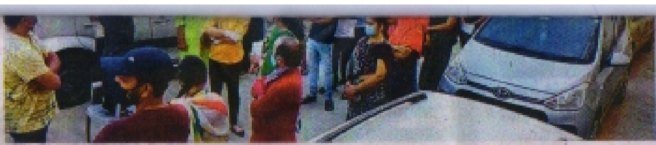

राजेंद्रनगर स्थित आइएमए हाल पर टीका लगवाने के लिए पहुंचे 18 से 44 वर्ष के युवा। ● नईदुनिया

शासकीय कालेजों से पास अभ्यर्थियों को ही नर्सिंग स्टाफ भर्ती में मौका

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेडिकल कालेज में नर्सिंग स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया चल रही है। एमपी आनलाइन के माध्यम से पूरे प्रदेश से अभ्यर्थियों द्वारा आवेदन करने के बाद भोपाल स्तर से चयन के लिए सूची मेडिकल कालेज भेजी गई। इसके बाद बुधवार को अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया था। इस दौरान उन अभ्यर्थियों को वापस कर दिया गया, जिन्होंने प्राइवेट नर्सिंग कालेज से कोर्स किया है। इस पर सत्यापन कराने आए अभ्यर्थियों ने आपत्ति जताई।

प्रदेश के भोपाल, ग्वालियर सहित अन्य जिलों से कुल 109 अभ्यर्थी मेडिकल कालेज पहुंचे थे। शासकीय कालेज के उत्तीर्ण को ही चयन प्रक्रिया में शामिल करने का विरोध करते हुए निजी कालेज के अभ्यर्थियों ने उन्हें भी भर्ती में शामिल करने की मांग की। उनका कहना था कि जब चयन सूची में शामिल कर बुलाया गया है तो कालेज प्रबंधन अपने स्तर से ऐसा क्यों कर रहा है। सत्यापन कर रहे अधिकारियों ने तर्क दिया कि कालेज में भर्ती के विज्ञापन में स्पष्ट उल्लेख है कि सरकारी नर्सिंग कालेज से कोर्स करने वालों को ही लिया जाएगा और वे ही आवेदन करें। आनलाइन आवेदन करते समय इसका ध्यान नहीं दिया और अब यहां आकर विरोध करना उचित नहीं है। जो सूची मिली उसमें उल्लेख नहीं है कि कौन प्राइवेट से और कौन सरकारी कालेज से है, इसलिए सभी को सत्यापन के लिए बुलाया गया। मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आवेदन करते समय कोई त्रुटि अभ्यर्थियों से हुई होगी या जानबूझकर सही जानकारी आवेदन में नहीं दी होगी, इसलिए सूची में नाम आ गया है। बाद में सभी को समझाइश देकर प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। जल्द ही चयनितों की सूची जारी हो जाएगी।

बेसब्री से था वैक्सीनेशन का इंतजार

आइएमए हाल पर टीका लगवाते हुए राजेश गजधर। ● नईदुनिया

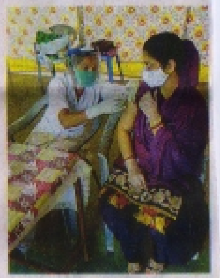

आइएमए हाल पर टीका लगवाती हुई रेखा गजधर। ● नईदुनिया

राजेंद्रनगर स्थित आइएमए हाल पर पत्नी रेखा गजधर के साथ कोरोना का पहला टीका लगवाने पहुंचे डोंगरेनगर निवासी राजेश गजधर (पांचाल) का कहना है कि लंबे समय से वैक्सीनेशन का बेसब्री से इंतजार था। महामारी के प्रकोप से हर तरफ भय का माहौल है। न तो कहीं जा पा रहे हैं और न ही किसी से मिल पा रहे हैं। कई अपने कोरोना महामारी की गिरफ्त में आकर दुनिया छोड़ चुके हैं। जीवन में ऐसे खतरनाक दौर से गुजरना पड़ेगा, कभी सोचा नहीं था। कोरोना से बचाव के लिए गाइड-लाइन के पालन के साथ-साथ टीका लगवाना जरूरी है। यही बचाव का सशक्त हथियार है। आमजन को किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। सभी पात्र लोगों को कोरोना का टीका अवश्य लगवाना चाहिए। हमने टीका लगवा लिया है। अब आप भी नंबर आने पर जल्द से जल्द टीका लगवा लीजिए। राजेश बताते हैं कि कोरोना के कहर ने कई परिवारों को तबाह कर दिया है। अभी भी कई लोग अस्पतालों में जीवन और मौत से संघर्ष कर रहे हैं।

नईदुनिया 6-5-2021

18 से 44 साल के 100 लोगों को लगना थे टीके, 500 लोग पहुंच गए

कोरोना से जंग : बगैर प्री-बुकिंग के केंद्र पर जमा हुई भीड़, टीकाकरण के लिए उत्साह

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। 18 से 44 वर्ष के लोगों को टीका लगाने की शुरुआत बुधवार से हो गई। पहले दिन 100 लोगों की प्री-बुकिंग की गई थी, लेकिन केंद्र पर करीब 500 लोग पहुंच गए। बगैर बुकिंग के भीड़ जमा होने पर कुछ देर तक अफरा-तफरी मची रही, बाद में समझाइश देकर लोगों को वापस भेजा गया।

18 से 44 साल वालों को कोरोना वैक्सीन लगाने के लिए शहर के राजेंद्र नगर स्थित आइएमए भवन को केंद्र बनाया गया है। यहां सुबह आठ बजे से ही ऐसे युवक-युवतियां भी पहुंच गए, जिन्होंने प्री-बुकिंग नहीं कराई थी और न ही उन्हें मैसेज मिला था। केंद्र में तैनात सरकारी अमले ने इन्हें समझाकर वापस भेजा। पहले दिन 94 लोगों का वैक्सीनेशन हुआ। चार लोगों ने पाजिटिव होने के बाद पंजीयन कराया था, जिन्हें टीका नहीं लगाया गया और दो ने टीका लगवाने से मना कर दिया, इसलिए छह लोगों को टीका नहीं लगा। पहले दिन 100 लोगों का टीकाकरण होना था, जो

राजेंद्रनगर स्थित आइएमए हाल पर टीका लगवाने के लिए कतार में खड़े युवा। • नईदुनिया

वैक्सीन का इंतजार था

पहले दिन टीका लगवाने वाले आइटीआइ के प्रशिक्षण अधिकारी पुष्पेंद्र सिलावट ने कहा वैक्सीन का इंतजार था। लगवाना जरूरी है, क्योंकि कोरोना संक्रमण से बचना है। **-पुष्पेंद्र सिलावट**

टीका लगने के बाद अच्छा लगा

नीलेश चपड़ोत ने बताया कि टीका लगने के बाद अच्छा लग रहा है। मुझे बहुत दिन से इंतजार था कि कब लगेगा। मन में उत्साह था और डर भी था कि क्या होगा। सभी लोग लगवाएं। **नीलेश चपड़ोत**

पहले डर था पर अब नहीं

कल्पना चपड़ोत ने बताया कि पहले डर लग रहा था कि वैक्सीन लगने के बाद क्या होगा, लेकिन अब अच्छा लग रहा है। अफवाहों पर ध्यान न दें टीका लगवाएं और कोरोना को परास्त करें। साथ मास्क लगाएं और घर में सुरक्षित रहें। **-कल्पना चपड़ोत**

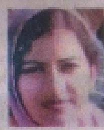

कोरोना से बचाव के लिए जरूरी

विनीता सिलावट ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए जरूरी है वैक्सीन, लेकिन सावधानी भी रखनी होगी। मेरे मन में डर बना था कि कहीं मैं चपेट में न आ जाऊं। टीका लगने के बाद राहत महसूस कर रही हूं। सभी लोगों को लगवाना चाहिए। **- विनीता सिलावट**

वैक्सीन की पहली डोज बनी सुरक्षा कवच, आठ दिन में ही बीमारी पर जीत

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। सीजेरियन प्रसव के बाद कोरोना संक्रमित महिला ने मेडिकल कालेज में उपचार के दौरान अटेंडर के रूप में रही मां की सेवा और मनोबल के सहारे आठ दिन में ही बीमारी पर जीत हासिल कर ली। अब महिला, शिशु व मां तीनों स्वस्थ हैं। मां को कोरोना का पहला टीका लग चुका है, जिसने उनके लिए सुरक्षा कवच का कार्य किया।

अच्छी खबर

- प्रसव के बाद संक्रमण, मां और मनोबल के सहारे जीती जंग
- अटेंडर मां भी सुरक्षित

अंबिका नगर निवासी रेलकर्मी दुर्गेश डागर की पत्नी 37 वर्षीय संध्या डागर ने 14 अप्रैल को सुबह करीब 10 बजे निजी अस्पताल में सीजेरियन प्रसव होने पर शिशु को जन्म दिया तो परिवार में खुशी छा गई, लेकिन सिटी स्कैन के बाद संध्या को कोरोना संदिग्ध बताते हुए रात करीब आठ बजे डिस्चार्ज कर दिया गया। आक्सीजन लेवल 92 तक आ गया तो बदहवास स्वजन संध्या को जिला अस्पताल के मदर व चाइल्ड हास्पिटल ले गए। यहां भी उपचार नहीं मिला। काफी मशक्कत के बाद रात करीब 11 बजे मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। सैंपलिंग के बाद 15 अप्रैल को रिपोर्ट पाजिटिव मिली।

सीजेरियन प्रसव के चलते संध्या को विशेष देखभाल की आवश्यकता थी, ऐसे में मेडिकल कालेज के कोविड अस्पताल के 22 नंबर वार्ड में रख मां कमलादेवी को साथ रहने की अनुमति दी गई। आठ दिन तक चले नियमित उपचार के बाद स्वस्थ होने पर 21 अप्रैल की रात को संध्या को डिस्चार्ज कर दिया गया।

समय पर मिल गई मदद

संध्या के पति दुर्गेश ने बताया कि रात में कोरोना का हवाला देकर अचानक डिस्चार्ज कर दिया तो समझ नहीं आया कि क्या करें। एसडीएम अभिषेक गेहलोत, सीएसपी हेमंत चौहान ने कालेज में भर्ती कराने की व्यवस्था करवाई। यहां नोडल अधिकारी डिप्टी कलेक्टर शिराली जैन व डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने तत्काल जांच कर उपचार शुरू करवाया और डिस्चार्ज होने तक निगरानी भी की। डिस्चार्ज के बाद मेडिकल कालेज में भर्ती कराने तक हर पल मन घबराता रहा। बाद में उपचार समय पर मिला तो अनहोनी की आशंका खत्म हो गई। इस दौरान बालक को घर पर ही बहन ने संभाला।

मां को लग चुकी थी पहली डोज : यह पहला मौका था जब मेडिकल कालेज में संक्रमित मरीज के साथ अटेंडर को भी रखा गया था। संध्या की मां कमलादेवी को वैक्सीन की पहली डोज लग चुकी थी। वार्ड में उनके अलावा और कोई नहीं था, लेकिन कोरोना से बचाव के सभी नियमों का पालन कर उन्होंने संध्या की देखरेख की। इसके चलते उन्हें संक्रमण नहीं हुआ।

> दिव्यांग, गर्भवती महिला या विशेष देखरेख की जरूरत होने पर अटेंडर रखने की अनुमति दी जाती है। मेडिकल कालेज में बेहतर उपचार देकर पूरे प्रयास किए जाते है कि मरीज जल्द स्वस्थ हो जाए। वैक्सीन की पहली डोज के बाद कुछ हद तक सुरक्षा मिल जाती है। कोविड गाइडलाइन का पालन करें तो संक्रमण फैलने का खतरा बेहद कम हो जाता है।
>
> – डा. जितेंद्र गुप्ता, डीन, शासकीय मेडिकल कालेज रतलाम

रतलाम के मेडिकल कालेज से डिस्चार्ज होने पर खुशी जाहिर करती हुई संध्या डागर व उनकी मां कमलादेवी। ● नईदुनिया

नईदुनिया 6-5-2021

'बेड हो या नहीं मरीज़ को भर्ती करने से मना नहीं कर सकते'

जिला अभिभाषक संघ ने मुख्यमंत्री, कलेक्टर व एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

समय पर उपचार नहीं मिलने के कारण मंगलवार दोपहर को राममंदिर के पास अभिभाषक की मौत को लेकर जिला अभिभाषक संघ ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप कर मेडिकल कॉलेज के डीन और निजी अस्पताल के संचालक पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर दंडित करने की मांग की है। एसडीएम ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

मंगलवार को अभिभाषक सुरेश डागर की तबीयत खराब होने पर परिजन ने निजी चिकित्सक को दिखाया था। सीटी स्कैन की रिपोर्ट देखकर चिकित्सक ने उन्हें मेडिकल कॉलेज भर्ती कराने की सलाह दी थी। छोटा भाई अनिल और मां उन्हें मेडिकल कॉलेज ले गए। करीब ढाई घंटे तक इंतजार किया परंतु उनका न इलाज हुआ न भर्ती किया। बाद में उन्हें आयुष ग्राम ले गए वहां भी जगह नहीं मिली। मां और अनिल उन्हें काटजू नगर नर्सिंग होम ले जा रहे थे। रास्ते में राम मंदिर के पास बाइक पर ही मौत हो गई।

घटना पर आक्रोश जताते हुए जिला अभिभाषक संघ ने बुधवार को मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता और आयुष अस्पताल के डॉ. राजेश शर्मा पर कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा। जिला अभिभाषक संघ सचिव प्रकाशराव पंवार, उपाध्यक्ष राजीव ऊबी, वरिष्ठ अभिभाषक आशुतोष अवस्थी, शैलेंद्र राठौड़, कमल उपाध्याय द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में बताया है कि अधिवक्ता संघ के सदस्य सुरेश डागर को लेकर उनके भाई और माताजी मेडिकल कॉलेज गए जहां ढाई घंटे बिठाया जबकि उनका ऑक्सीजन लेवल लगातार कम हो रहा था। परिजन उन्हें आयुष अस्पताल ले गए। गंभीर हालत के बावजूद मेडिकल कॉलेज और निजी अस्पताल में न उन्हें भर्ती किया न आपातकालीन चिकित्सा सुविधा प्रदान की। गैर जिम्मेदाराना रवैये के कारण अभिभाषक का निधन हुआ है। मेडिकल कालेज के डीन डॉ. गुप्ता तथा आयुष अस्पताल के डॉ. राजेश शर्मा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

विधायक पांडेय ने बाइक पर वकील की मौत की घटना सीएम को बताई

जावरा | विधायक डॉ. राजेंद्र पांडेय ने बुधवार को अस्पताल के कोविड वार्ड की व्यवस्थाएं देखी। कुछ सामान्य मरीजों ने शिकायत की कि कोविड के चक्कर में उनका चेकअप नहीं किया जा रहा। विधायक ने डॉक्टरों से बात कर चेकअप करवाया। ऑक्सीजन प्लांट के लिए बन रहे स्ट्रक्चर का निरीक्षण किया। विधायक डॉ. पांडेय ने मुख्यमंत्री से फोन पर बात की। अस्पताल व कोविड केयर सेंटर की जानकारी दी। रतलाम मेडिकल कॉलेज में एक अभिभाषक को भर्ती नहीं करने और बाइक पर उसकी मौत होने के मामले में अवगत कराया। सीएम ने नाराजगी जाहिर की और कहा कि कोई भी अस्पताल किसी भी मरीज को भर्ती करने से मना नहीं कर सकता है। बेड नहीं है तो भी जहां जगह मिले वहां भर्ती कर इलाज दें। इसके लिए प्रदेशभर में वे दिशा-निर्देश जारी करेंगे। सीएम से जावरा के लिए रेमडेसिविर व ऑक्सीजन की आपूर्ति की मांग की। पांडेय विधायक निधि से 77 लाख की स्वीकृति दे चुके हैं। ऑक्सीजन प्लांट व अन्य व्यवस्था के लिए जनसहयोग से 60 लाख रोगी कल्याण समिति को मिले हैं।

सामान्य मरीजों का उपचार नहीं करने की शिकायत करती महिलाएं।

दै. भास्कर 6-5-2021

3

कोविड-19 प्रभारी आईएएस राजन पहुंचे रतलाम

मौत के आंकड़ों पर कोविड प्रभारी अधिकारी ने जताई चिंता

जिले में कोविड-19 प्रभारी बनाए गए आईएएस अनुपम राजन पहुंचे रतलाम

रतलाम. जिले में तेजी से बढ़ते कोरोना संक्रमण को देखते हुए यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए बुधवार को रतलाम जिले के लिए प्रभारी बनाए गए कमिश्नर अनुपम राजन रतलाम पहुंचे। उनके द्वारा कलेक्टर कार्यालय स्थित सभाकक्ष में प्रशासन के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली गई और जिले में कोरोना संक्रमण की स्थिति को देखते हुए समीक्षा की गई।

उक्त अधिकारी द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते मामलों के साथ जिले में लगातार बढ़ते मौत के आंकड़ों पर चिंता जताई गई और इन सब पर काबू पाने के लिए बेहतर प्रयास करने के संबंध में निर्देशित किया गया। वहीं फीवर क्लीनिक पर पहुंच कर कोरोना जांच कराने वाले संदिग्ध मरीजों को वहीं से मेडिकल किट उपलब्ध कराने की बात कही जिससे कि मरीज को रिपोर्ट आने तक इंतजार ना करना पड़े और समय रहते उपचार शुरू होने से वह जल्दी स्वस्थ हो सके। उक्त अधिकारी के द्वारा कोरोना कंट्रोल रूम पर पहुंच कर वहां की व्यवस्थाओं के संबंध में भी जायजा लिया कि किस तरह से जिले में कंट्रोल रूम को संचालित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में बेड की उपलब्धता और मरीजों को दिए जा रहे उपचार के संबंध में जानकारी ली। साथ ही कोविड केयर सेंटर के बारे में जानकारी जुटाई।

पत्रिका 6-5-21

मेडिकल कॉलेज से बुधवार को 35 व्यक्ति डिस्चार्ज हुए, नियमों का करेंगे पालन

रतलाम। मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रतलाम से स्वस्थ होकर बुधवार को 35 व्यक्ति अपने घर

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आज मेडिकल कॉलेज में 50 नए मरीज

इनमें 302 पॉजीटिव हैं तथा शेष सस्पेक्टेड या ऑक्सीजन लेवल वाले है। हॉस्पिटल में रिक्त

नगर के विभिन्न क्षेत्रों को फायर लॉरी से किया सेनेटाईज

रतलाम। रतलाम नगर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम गोपालचन्द्र डाड के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटराईज किया जा रहा है साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व टेक्ट्रर ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है। 05 मई को फायर लॉरी व टेक्ट्रर ट्रॉली से मेडिकल कालेज, भक्तन की बावड़ी, त्रिवेणी मुक्तिधाम, जवाहर नगर मुक्तिधाम, समता परिसर, सुदामा परिसर, अरिहंत परिसर, टाटा नगर, तेजा नगर, बालाजी नगर, राम नगर, काजीपुरा सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयों आदि में सेनेटराईजेशन का कार्य किया गया।

नगर के सेनेटराईज किये जाने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई का कार्य किया जा रहा है व सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

नगर के विभिन्न क्षेत्रों को फायर लॉरी से किया

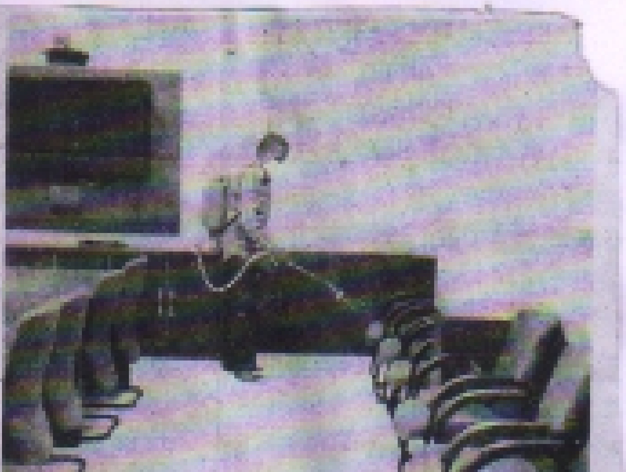

(1)

42 मरीजों तक पहुंचाई मेडिसिन किट

रतलाम | नगर निगम के दलों ने बुधवार को 42 होम आइसोलेट मरीजों तक मेडिसिन किट पहुंचाई। ई-दक्ष केंद्र से 57 मरीजों की सूची मिली थी। इनमें से 42 मरीज घर पर मिले। 6 उपचार के लिए भर्ती थे। एक मरीज का पता और कांटेक्ट नंबर गलत था। 3 नगरीय सीमा क्षेत्र से बाहर व 3 को पहले किट मिल चुकी थी।

दै. भास्कर 6-5-2021

42 मरीजों को किया मेडिसिन किट का वितरण

उपचार के लिए छह मरीजों को कराया भर्ती

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

6-5-21

कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की।

ई-दक्ष केन्द्र रतलाम से 05 मई बुधवार को होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी श्री ए.पी. सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 57 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई।

वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजो के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया जिसके तहत सूची अनुसार 42 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 6 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 1 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 3 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 3 मरीजो को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया।

इसी तरह 03 मई की दूसरी सूची अनुसार 316 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 16 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 30 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 22 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 23 मरीजो को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया।

राजएक्सप्रेस 6-5-2021

497 मरीजो को किया मेडिसिन किट का वितरण

होम आईसोलेशन मरीजों को मेडिसिन किट का वितरण

रतलाम। कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की।

ई-दक्ष केन्द रतलाम से 3 मई सोमवार को होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी श्री ए.पी. सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 236 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई।

वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजो के घर-घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया जिसके तहत सूची अनुसार 181 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 21 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 14 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 11 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 8 मरीजो को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया।

इसी तरह 03 मई की दूसरी सूची अनुसार 316 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण घर पर किया गया। 16 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 30 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 22 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया व 23 मरीजो को पूर्व से ही मेडिसिन किट प्राप्त होना पाया गया।

इन्दौर समाचार
5-5-2021